उन पर भी क्या सरकार का सीलिंग लगाने का इरादा है ?

श्री एस० एन० मिश्र : यह प्रश्न बिल्कुल जुदा है और इसका सम्बन्ध कृषि लायक जमीनों से है । इसके सम्बन्ध में इतना ही निवेदन करूंगा कि जो नीति योजना कमीशन की पहले थी वह अब भी है ।

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या मैं यह समझ लूं यह नीति मैकेनाइज्ड फार्मिंग को या जिन्होंने मेहनत करके जमीन को डेवलप किया है, सीलिंग के मामले में नहीं छुआ जायेगा ?

श्री एस० एन० मिश्र : मैं माननीय सदस्य से यह निवेदन करूंगा कि वे द्वितीय पंचवर्षीय योजना की रिपोर्ट को देखने की जरा तकलीफ करें कि वह इन सब बातों के बारे में क्या कहती है ।

श्री पां० ना० राजभोज : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि सरकार के पास कितनी अर्बन लैंड खाली पड़ी है और क्या उसकी पूर्त्ति के लिये कोशिश हो रही है या नहीं ?

श्री एस० एन० मिश्र : माननीय सदस्य पूछते हैं कि सरकार के पास कितनी अर्बन लैंड है । इसके सम्बन्ध में यह निवेदन करना चाहता हूं कि इसकी जानकारी इकट्ठी की जा सकती है । मगर उनका मकसद यह मालूम होता है कि सारी अर्बन लैंड इस तरह की कितनी है और क्या उसका सर्वेक्षण या सर्वे हुआ है । मेरी राय में इसका जो कुछ रिकार्ड मिल सकता है वह या तो डेवलपमेंट आथरिटीज से या म्युनिसिपल आथरिटीज से; लेकिन हम लोगों ने इसका कोई संकलन नहीं किया है ।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिये खादी की वर्दियां

*३४३. **श्री राम सहाय** : क्या **निर्माण, आवास और संभरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने सन् १९५८-५९ में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की वर्दियों के लिये कितने रुपये की खादी खरीदी ?

†[KHADI UNIFORMS FOR CLASS IV EMPLOYEES

343. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state the value of Khadi purchased by Government during the year 1958-59 for the uniforms of Class IV employees?]

THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI K. C. REDDY): Directorate General of Supplies and Disposals placed orders for Khadi worth Rs. 59·9 lakhs for the uniforms of Class IV employees of the Government of India during 1958-59.

‡[**निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री क० सी० रेड्डी)**. १९५८-५९ में संभरण और निपटान के प्रधान निदेशालय ने भारत सरकार के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की वर्दियों के लिये ५९·९ लाख रुपये की लागत की खादी के आर्डर दिये ।]

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि किन-किन कार्यों के लिए आपका विचार खादी खरीदने का है ?

SHRI K. C. REDDY: Yes, Sir dusters, bunting cloth, pillow covers, flag signals, sheets and towels, etc. are also purchased.

DR. P. C. MITRA: May I know, Sir, what is the amount involved in the supply of uniforms in the three seasons annually?

SHRI K. C. REDDY: I have given the figures for 1958-59. For 1957-58 it was Rs. 55·3 lakhs. It varies from year to year.

†[ ] English translation.
‡[ ] Hindi translation

DR. P. C. MITRA: I want to know for the three seasons—summer, rainy and winter.

SHRI K. C. REDDY: I have not got the detailed information.

SHRI N. R. MALKANI: Is there any convention by which officers belonging to Class I shall also wear khadi, uniforms for official purposes, and what is the value of khadi purchased for them?

SHRI K. C. REDDY: No, Sir. We do not supply any uniform or cloth for officers in Class I service.

*344. [*The questioner (Shrimati Savitry Devi Nigam) was absent. For answer,* vide *cols.* 1946-47 infra.]

*345. [*The questioner (Shri J. V. K. Vallabharao) was absent. For answer,* vide *col.* 1947 infra.]

TRUCK MANUFACTURE FOR DEFENCE NEEDS

*346. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry have approached Government to reconsider their decision to undertake an independent programme of truck manufacture for defence needs; and

(b) if so, what is Government's reaction in the matter?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

مولانا ایم - فاروقی : کیا آنریبل منسٹر یہ بتائیں گے کہ تیرف کمیشن نے اپنی رپورٹ میں یہ تجویز کی تھی کہ ڈیفنس اور عام ضروریات کے لئے ٹرکس کو ایک ھی ساتھ ڈیل کیا جائے اور ایک ھی ساتھ پورا کیا جائے -

‡[मौलाना एम० फारुकी : क्या आनरेबिल मिनिस्टर यह बतायेंगे कि टैरिफ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में यह तजवीज की थी कि डिफेंस और आम ज़रूरियात के लिए ट्रक्स को एक ही साथ डील किया जाय और एक ही साथ पूरा किया जाय ?]

श्री मनुभाई शाह : इन्हीं सब बातों पर गौर करके डिफेंस ने तय किया कि २००० ट्रक्स बनाई जांय ।

مولانا ایم - فاروقی : کیا آنریبل منسٹر یہ بتائیں گے کہ اس وقت کتنی ٹرک آپ باھر سے امپورٹ کرتے ھیں اور کتنی یہاں بنا رھے ھیں -

‡[मौलाना एम० फारुकी : क्या आनरेबल मिनिस्टर यह बतायेंगे कि इस वक्त कितनी ट्रक आप बाहर से इम्पोर्ट करते हैं और कितनी यहां बना रहे हैं ?]

श्री मनुभाई शाह : सब यहीं बनती हैं । थोड़ी सी जो मिलिट्री और खास रिक्वायरमेंट की होती हैं, उनकी आयात करने की इजाजत है । बाकी सब ट्रक यहीं मैन्युफैक्चर होती हैं ।

SHRI V. PRASAD RAO: Is it not a fact that some of the responsible members and officers of the F.I.C.C.I. have openly canvassed against such a contract for the manufacture of trucks?

SHRI MANUBHAI SHAH: Well, Sir, I have said that no official representation has been received. They had passed certain resolutions. Government considered every aspect of it and finally decided to enter into this contract.

SHRI BABUBHAI M. CHINAI: How does the cost of the M.A.N. trucks work out in comparison with those manufactured here?

‡[ ] Hindi transliteration.